

28<sup>10</sup>/<sub>22</sub> पञ्चावली मूलपाद के साथ फेरा  
हुई। वापि एवं वापि वहील  
अनुपस्थित। न्यायालय में बार-बार  
आपान लगान के बावजूद सां. 5:00  
बजे तक वापि एवं वापि वहील में  
कोई भी उपस्थित नहीं हुआ।

मूलपाद अदम हानरी एवं अदम  
पैरवी में स्थापित हो चुका है। मूलपाद

तारीख  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज

का निस्तारण हो जाने से प्रविण पत्र  
212 RT अक्ट का ऑर्डर को प्रिण्ट  
नहीं रहता है। अतः प्रविण पत्र  
212 RT अक्ट की कार्यवाही को  
ही जारी है। पत्रावली के सार प्रकाश  
होकर रिजल्टर से उम की  
जाए। सेलमन मूलवाद है।

